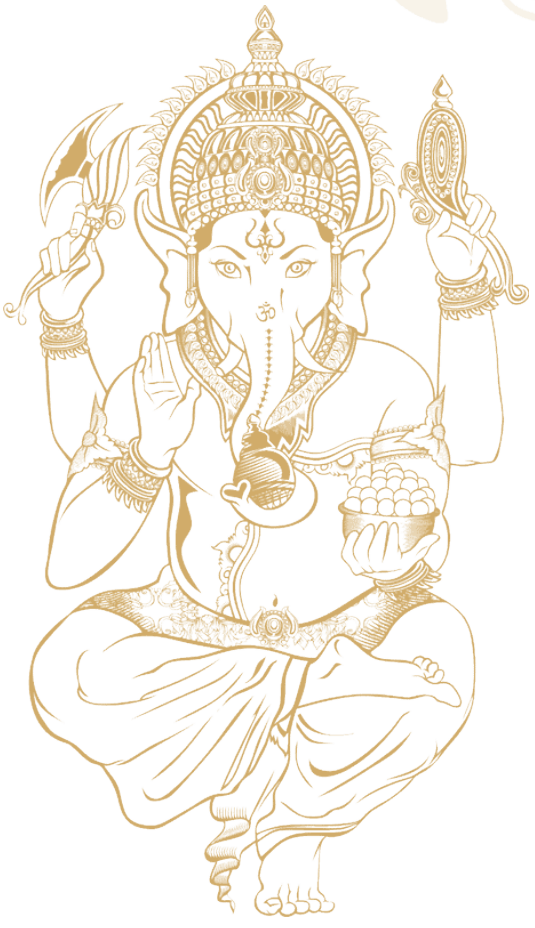

Sujal

Sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121051304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21-22/10/1998	जन्म तिथि	05/07/2002
बुध-गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 05:15:00	जन्म समय	15:20:00 घंटे
घटी 57:39:30	जन्म समय(घटी)	24:57:47 घटी
India	देश	India
Kanpur	स्थान	Kanpur
26:27:00 उत्तर	अक्षांश	26:27:00 उत्तर
80:19:00 पूर्व	रेखांश	80:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:44	स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:11:11	सूर्योदय	05:20:53
17:34:33	सूर्यास्त	19:05:25
23:50:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:15

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 14वर्ष 1मा 23दि		21:10:37	कन्या	लग्न	तुला	29:50:06	शुक्र 11वर्ष 5मा 29दि	
शनि		04:32:08	तुला	सूर्य	मिथु	19:19:12	चन्द्र	
14/12/2012		21:32:40	तुला	चंद्र	मेष	19:00:07	03/01/2020	
15/12/2031		14:56:22	सिंह	मंगल	कर्क	00:48:43	02/01/2030	
शनि	18/12/2015	21:11:55	तुला	बुध	मिथु	02:26:12	चन्द्र	02/11/2020
बुध	27/08/2018	25:10:41	कुंभ व	गुरु	कर्क	00:01:39	मंगल	03/06/2021
केतु	06/10/2019	02:26:16	तुला	शुक्र	कर्क	29:54:21	राहु	03/12/2022
शुक्र	05/12/2022	06:27:56	मेष व	शनि	वृष	27:53:20	गुरु	03/04/2024
सूर्य	17/11/2023	05:49:59	सिंह व	राहु	वृष	23:46:15	शनि	03/11/2025
चन्द्र	17/06/2025	05:49:59	कुंभ व	केतु	वृश्चि	23:46:15	बुध	04/04/2027
मंगल	27/07/2026	14:58:35	मक	हर्ष व	कुंभ	04:32:28	केतु	03/11/2027
राहु	02/06/2029	05:34:37	मक	नेप व	मक	16:24:40	शुक्र	04/07/2029
गुरु	15/12/2031	12:37:43	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:40:09	सूर्य	02/01/2030

लग्न-चलित

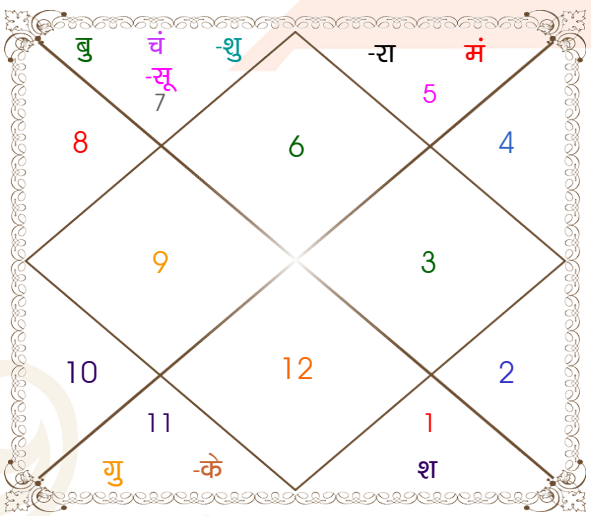

लग्न-चलित

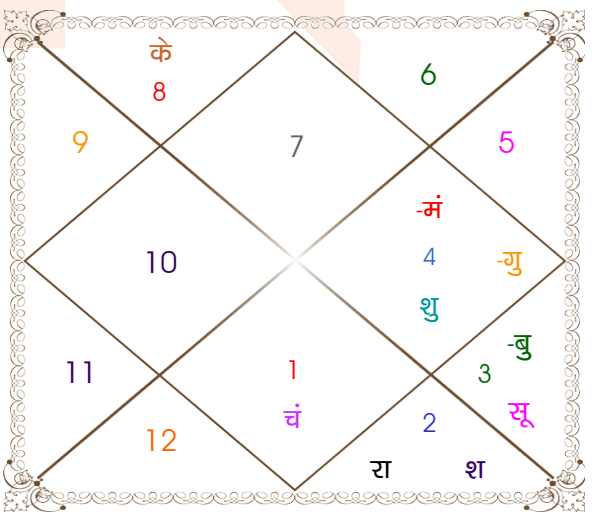

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गज	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Sujal का वर्ग सर्प है तथा Sakshi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sujal और Sakshi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Sujal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Sujal कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sakshi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Sujal तथा Sakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।